

## वर्षा वन अनुसंधान संस्थान में हिन्दी सप्ताह समारोह

संस्थान में 8 से 15 सितंबर, 2015 तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास से हिन्दी सप्ताह मनाया गया। हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ 8 सितंबर को प्रातः उदघाटन समारोह के साथ किया गया था जिसमें संस्थान के निदेशक, डॉ. आर.एस.सी. जयराम, भा.व.से., तथा प्रभागों के प्रभागाध्यक्ष, सभी वैज्ञानिक गण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण और शोधार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक तरीके से दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने अध्यक्षीय भाषण में माननीय निदेशक महोदय डॉ. आर.एस.सी. जयराम ने नई भाषा सीखने के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति सिर्फ एक भाषा तक ही सीमित न रहे। भाषा सीखना एक कला है। जितनी भाषा हम सीखेंगे उतनी हमारी विभिन्न प्रदेशों के लोगों से संपर्क करने की क्षमता बढ़ेगी। आपसी सांस्कृतिक संवर्धन तभी हो सकता है। हिन्दी सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात् दिनांक 8 सितंबर को निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। निबंध लेखन के विषय थे – क) भारत की उन्नति में हिन्दी भाषा का योगदान, ख) भारत की अखंडता और राजभाषा, और ग) असम की संस्कृति।

हिन्दी सप्ताह के दूसरे दिन अर्थात् 9 सितंबर को श्रुतलेखन और हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। हिन्दी सप्ताह के तीसरे दिन (दिनांक 10 सितंबर) कर्मचारियों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। आशुभाषण प्रतियोगिता के उपरांत राजभाषा हिन्दी में वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा देने के लिए राजीव कुमार कलिता, वैज्ञानिक-ई ने "बांस और उपयोगिता" विषय पर एक व्याख्यान रखा।

हिन्दी सप्ताह के चौथे दिन दिनांक 11 सितंबर को सम्मेलन कक्ष में हिन्दी में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था "इंटरनेट, शिक्षागुरु की अहमियत को नकार नहीं सकता है (पक्ष/विपक्ष)। वाद-विवाद प्रतियोगिता के वाद डॉ. गौरव मिश्रा, वैज्ञानिक-बी ने अंतरराष्ट्रीय मृदा वर्ष, 2015 के अवसर पर "मृदा- एक परिचय" विषय पर हिन्दी में प्रस्तुति रखी।

संस्थान के लिए यह एक हर्ष का विषय था कि श्री शंकर शर्मा, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक के संपादकत्व में संस्थान के हिन्दी प्रकोष्ठ से पहली बार असमीया और हिन्दी भाषा में छमाही ई-पत्रिका "वर्षारण्यम्" का प्रकाशन किया गया। पत्रिका का लोकार्पण दिनांक 13 सितंबर को डॉ. एस. पी. सिंह, उप महानिदेशक (प्रशासन), भा. वा. अ. शि. प. के करकमलों द्वारा किया गया। इस संबंध में आयोजित बैठक में माननीय निदेशक, डॉ. आर.एस.सी. जयराम, तथा सभी वरिष्ठ वैज्ञानिकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण और उनके परिवार के सदस्य उपस्थित थे। इसी सभा में वानिकी विस्तार प्रभाग से प्रकाशित एक प्रशिक्षण केलेण्डर का भी लोकार्पण किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम के वाद अधिकारियों और कर्मचारियों के बच्चों और गृहिणियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

दिनांक 15 सितंबर को प्रातः 10 बजे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसका संचालन संस्थान के श्री राजीव कुमार कलिता, वैज्ञानिक-ई और डॉ. ध्रुव ज्योति दास, वैज्ञानिक-डी ने किया।

हिन्दी सप्ताह का समापन दिनांक 15 सितंबर, 2015 के अपराह्न आयोजित एक सभा के द्वारा किया गया। सभा में मुख्य अतिथि के रूप में हिन्दी साहित्य के अध्ययन-अध्यापन से जुड़े डॉ. विजय कुमार वर्मा, प्रोफ. एवं विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, जगन्नाथ बरुआ महाविद्यालय, जोरहाट आमंत्रित थे। सभा का शुभारंभ श्रीमती मौसुमी

भट्टाचार्य के गायन से किया गया। सर्वप्रथम निदेशक आर.एस.सी. जयराज जी ने मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार वर्मा को असमीया "फुलाम गामोछा" और स्मृतिचिह्न स्वरूप उपहार से उनका स्वागत किया। इसके बाद डॉ. विपिन प्रकाश , कार्यकारी हिन्दी अधिकारी ने सप्ताह भर आयोजित कार्यक्रमों की संक्षिप्त प्रतिवेदन सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। अपने भाषण में मुख्य अतिथि डॉ. वर्मा जी ने हिन्दी के शुद्ध प्रयोग पर जोर दिया। सरलीकरण के पक्ष में उन्होंने हिन्दी में अन्य क्षेत्रीय भाषाओं से शब्दावली ग्रहण करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इसके बाद हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित व्याख्यान माला में हिन्दी में वैज्ञानिक कार्य के व्याख्याता राजीव कुमार कलिता, वैज्ञानिक-ई और डॉ. गौरव मिश्रा, वैज्ञानिक-बी को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। उपस्थित सभासदों ने हिन्दी सप्ताह और आयोजित कार्यक्रमों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए और इन कार्यक्रमों की सराहना की। श्रीमती निवेदिता बरुआ दत्त ने स्वरचित कविता पाठ से सबका मन मोह लिया। सभासदों के वक्तव्य के बाद सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा की गई और उनको पुरस्कार व प्रमाणपत्र प्रदान किये गये। माननीय निदेशक ने अपने भाषण में हिन्दी सहित अन्य सभी क्षेत्रीय भाषाओं को सम्मानीय आसन में बैठाने के लिए सबका सहयोग मांगा। कार्यक्रम के अंत में श्री शंकर शर्मा, हिन्दी अनुवादक ने सभी को आभार प्रकट किया। समारोह का संचालन कुमारी प्रिया दुंगना , वरिष्ठ शोधार्थी, वन रक्षण प्रभाग कर रही थी।

### **Hindi Week Celebration in RFRI, Jorhat**

Hindi Week was celebrated in the Institute with great enthusiasm from 8 to 15 September, 2015. Hindi Week commenced with an Opening Ceremony on 8th September with the lighting the traditional lamp. In his address, Director talked about the importance of learning a new language stating that no one can limit himself to just one language. Learning a language is an art. The more we learn the more we will inculcate the ability to interact with people of various regions and mutual cultural enrichment can only happen then. On the first day of the week, Hindi Essay competition was held on topics such as a) Contribution of Hindi language in advancement of India, b) Integrity of India and Official Language, and c) Culture of Assam.

On the second day of the week *i.e.* 9<sup>th</sup> September, 2015, Dictation and Hindi Poem recitation competition were held. Extempore Speech competition was organized for the staff on the third day of the week. To promote use of Official Language in scientific research, Shri Rajib Kumar Kalita, Scientist-E delivered a lecture in Hindi on the topic "Bamboo and its usage".

Hindi debate competition was held on 11<sup>th</sup> September and the topic of debate was, "Internet, cannot replace the importance of a Teacher". After the debate, Dr. Gaurav Mishra, Scientist-B delivered a lecture on "Soil- An introduction" in Hindi, as 2015 is the International Year of Soils.

It was a pleasure for the Institute that the first Assamese and Hindi language half yearly E-Magazine "Varsharnyam" is published by "Hindi Cell" of the Institute. The E-magazine was released by Dr. S. P. Singh, Deputy Director General (Administration), ICFRE on 13 September, 2015 in the presence of Dr. R.S.C. Jayaraj, Director, RFRI and the Senior Scientists, Officers, Employees and their family members. The E-magazine is edited by Shri Sankar Sarma, Jr. Hindi Translator. A training calendar published by Forestry Extension Division was also released in the meeting. After that, various competitions were held for the children and family members of the Officers and Employees of the Institute.

On 15<sup>th</sup> September, 2015, a Quiz competition was held for all Officers and Employees. The competition was conducted by Shri Rajib Kumar Kalita, Scientist-E and Dr. Dhrub Jyoti Das, Scientist-D.

Hindi Week Closing ceremony was held on 15<sup>th</sup> September, 2015. Prof. Vijay Kumar Verma, HoD, Hindi Department, Jagannath Barua College, Jorhat was the chief guest. The meeting started with a melodious song by Mrs. Moushumi Bhattacharya. Director, RFRI Jorhat welcomed chief guest, Dr. Vijay Kumar Verma with an Assamese traditional "*Fulam Gamochha*" and a memento. After that, Dr. Vipin Prakash, Hindi Officer presented a brief report on events which were held throughout the week. In chief guest's speech, Dr. Verma emphasized on the right use of Hindi. He also said that we should use words from other regional languages in Hindi for simplification of Hindi language. After that, Shri Rajib Kumar Kalita, Sc.-E and Dr. Gaurav Mishra, Sc.-B were felicitated by chief guest for presenting scientific work in Hindi during the 'Hindi Week'. Officials who were present in the meeting spoke about the Hindi week programme and appreciated the same. Mrs. Nibedita Dutta Baruah charmed everyone by reciting a poem written by her. After that, the winners of competitions were awarded with prizes and certificates. The Director of Institute in his speech, sought the cooperation of all to give due respect to all regional languages including Hindi. At the end of the programme, Mr. Shankar Sharma, Jr. Hindi Translator delivered vote of thanks. Miss Priya Dhungna SRF, Forest Protection Division compered the whole function.

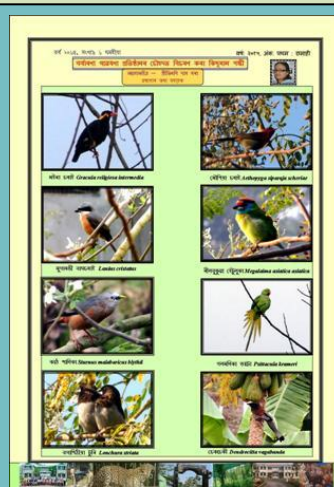
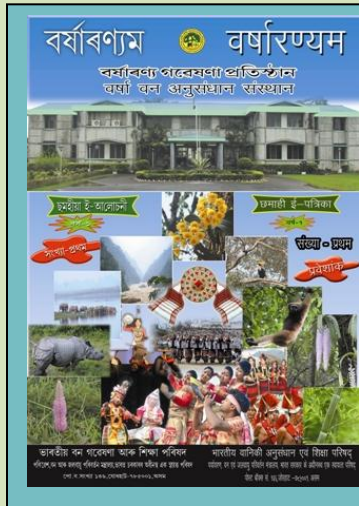
विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नाम निम्न प्रकार हैं /Name of winners of different competitions are given below:

दिनांक	प्रतियोगिता के नाम	प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
08.09.2015	निबंध	डेइजी दास	निबेदिता बरुआ दत्त	असीम चेतिया
09.09.2015	कविता पाठ	असीम चेतिया	राजीव कुमार कलिता	निबेदिता बरुआ दत्त
	श्रुतलेखन	असीम चेतिया	डेइजी दास	निबेदिता बरुआ दत्त
10.09.2015	वाद-विवाद	असीम चेतिया	राजीव कुमार कलिता	डॉ. कृष्णा गिरी
11.09.2015	आशुभाषण	अंकुर ज्योति सैकिया	अरूप कुमार डेका	राजीव कुमार कलिता
13.09.2015	आशुभाषण (कक्षा I से V)	आकाशदीप डेका	तन्मयी सैकिया	हेनरीटा कंगाबम
	कविता पाठ (कक्षा I से V)	आकाशदीप डेका	प्रज्ञा कौशिक	मधुस्मिता गोगोई
	आशुभाषण (कक्षा VI से X)	अर्चिता दत्त	आस्था कौशिक	विशाल हजारिका
	वाद-विवाद (कक्षाVI से X)	अर्चिता दत्त	विशाल हजारिका	आस्था कौशिक
	आशुभाषण (कक्षा XI से ऊपर)	श्रीमती दीप्ति डेका	श्रीमती सुनीता प्रकाश	श्रीमती अम्बिका प्रधान
	वाद-विवाद (कक्षाXI से ऊपर)	डॉ. कामिनी कांत वर्मा	श्रीमती दीप्ति कलिता	श्रीमती मौसुमी भट्टाचार्य
15.09.2015	प्रश्नोत्तरी	डॉ. आर. के. बोरा और प्रियाक्षी दास	अमर ज्योति गोगोई और अंशुमान बोरा	असीम चेतिया और निबेदिता बरुआ दत्त
	श्रेष्ठ श्रोता - प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	अंकुर ज्योति सैकिया		

हिन्दी सप्ताह समारोह के कुछ दृश्य/Some images of Hindi Week celebration







"वर्षारण्यम्" हिन्दी और असमीया छमाही ई-पत्रिका  
 "Varsharanyam" Hindi & Assamese six monthly E-magazine



हिन्दी सप्ताह समारोह के संबंध में प्रकाशित समाचार पत्रों के अंश  
 Some News Paper clippings on celebration of Hindi Week